तेरी महफ़िल में आके हे मनमोहन भजन लिरिक्स

तेरी महफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी,
अब तो चरणों से अपने लगा लो मुझे,
मैं तो नैनो में कबसे बसा बैठी,
तेरी मेहफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी।bd।

जबसे देखा तुझे कुछ भी भाता नहीं,
एक तेरे सिवा कुछ सुहाता नहीं,
अब तलक तो ये जग से लगी दिल्लगी,
अपने दिलबर से दिल ये लगा बैठी,
तेरी मेहफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी।bd।

अपना माना तुझे छोड़ जाना नहीं,
तेरे बिन एक पल भी बिताना नहीं,
मेरी साँसों में बस एक तेरा नाम है,
अपनी धड़कन में तुझको रमा बैठी,
तेरी मेहफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी।bd।

साथ तेरा मिला कुछ रही ना कमी,
मेरे दिन रात रहती होंठो पे हंसी,
ऐ 'रघुवीर' गम से घिरी ज़िन्दगी,
मैंने श्यामा भजन से सजा बैठी,
तेरी मेहफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी।bd।

तेरी महफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी,
अब तो चरणों से अपने लगा लो मुझे,
मैं तो नैनो में कबसे बसा बैठी,
तेरी मेहफ़िल में आके हे मनमोहन,
अपना तन मन मैं तुझपे लुटा बैठी।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com